

# Creating A Century of Women; A Century of Life!



*Bharat Soka Gakkai Webinar focusses on 'Beautiful Stories of Women Creating a New Age Towards 2030'*

Highlighting the significance of the role of women in ushering in an era of peace, a webinar entitled “Beautiful Stories of Women Creating a New Age Towards 2030” was held today. Organized by Bharat Soka Gakkai, the Indian affiliate of the Soka Gakkai International (SGI), the webinar drew attention to the value and wisdom that women can bring to our society as future leaders. SGI organized the webinar.

The panelists, representing a broad spectrum of society, were: Ms. Vinita Bali, Independent Director, Strategy Advisor, and Former CEO&MD of Britannia Industries, Ms. Mirian Vilela, Executive Director, Earth Charter International; Ms. Safeena Husain, Founder, and Executive Director, Educate Girls, and Ms. Tillotama Shome, Filmfare Award-winning actor.

Each spoke about their journey, providing different dimensions to what constitutes the true empowerment of women. Their powerful testimonials brought home a fundamental truth – worldwide peace and prosperity can only be brought about in a gender-sensitive society. The vision behind the webinar is the core Soka Gakkai belief in women’s pivotal role in creating and nurturing a culture of peace. SGI President Daisaku Ikeda who has worked tirelessly to help build a truly equitable society says that “The twenty-first century will be the century of life. It will be the century of women.”

"There can be no better time for a dialogue to foster empathy, compassion, and understanding so that we may live in a world that is fair and equitable for all", said Vinita Bali, who has served in senior executive positions in several companies such as Britannia Industries, Coca Cola and Cadbury.

“What is there in the innate feminine intelligence and wisdom that the world is in so much need?” questioned Mirian Vilela. “Sensitivity? empathy? sense of care? flexibility? Maybe our world is in desperate need to cultivate these human essential elements and move away from the myopic view of indifference”, she said.

“Completing 70 years of service is a huge achievement for the Women's Division of Soka Gakkai," said Safeena Husain and added, “Over the decades, BSG has striven to create an environment of peace through cultural, educational and community-lead initiatives and I am glad to play my part as an advocate for girls’ education and gender equality.” Further, Safeena highlighted, “Girls’ education is the biggest investment that a nation can make today and with consistent support from like-minded supporters like BSG, we hope to gain more traction on the achievement of SDG4 by 2030.”

The webinar’s message struck a strong chord with speakers and audiences alike “The yearning for peace is not just for those in the midst of a war. It is our shared responsibility, irrespective of who we are. In a post-Covid world, the suffering of another is deeply connected to one's own," said Tillotama Shome. She added that “sisterhoods are very powerful ecosystems”.

On behalf of BSG, Mr. Vishesh Gupta, Chairperson, Bharat Soka Gakkai, thanked the panelists and said, “Your life's struggles and achievements based on the spirit of challenge and continuous learning echoes the Soka Philosophy espoused by SGI President Daisaku Ikeda. His vision of 21st century being a 'Century of women' comes alive in the work of women like yourselves”.

Ms. Rashi Ahuja, Director and Head of External Relations, welcomed the audience to the webinar and called out to everyone in the audience to come together and create an era in which all people are valued for their humanity, as unique and irreplaceable manifestations of life, an era in which all will enjoy the full richness of human diversity.

The webinar attracted an audience from across the country and from all walks of life.

BSG (Bharat Soka Gakkai) is the Indian affiliate of the Soka Gakkai International (SGI). It has a membership spread across 600 towns and cities in India. Coming from all walks of life, BSG’s members believe that a fundamental change in a single individual (‘human revolution’) can bring about a great transformation in society. The organization seeks to create an environment of peace through cultural, educational, and community-related activities. What sets these initiatives apart is the humanistic spirit of reaching out through 'heart to heart' dialogue.

# अपना अमृतसर

खबरें, जरा हटके

हर वीरवार को प्रकाशित

अमृतसर, 26 अगस्त से 01 सितंबर 2021

## महिलाओं की होगी इक्कसवीं शताब्दी

अपना समाचार

24 अगस्त 2021 को आयोजित वेबिनार में 2030 की ओर अग्रसर एक नए युग का निर्माण करने वाली महिलाओं की प्रेरक कथाओं पर विशेष बल दिया गया। भारत में सोका गाव्काई इंटरनेशनल की सहयोगी संस्था 'भारत सोका गाव्काई' द्वारा आयोजित इस वेबिनार ने उस मूल्य और ज्ञान की ओर ध्यान आकर्षित किया जो महिलाएं भविष्य के नेताओं के रूप में हमारे समाज को दे सकती हैं।

इस वेबिनार में उभर कर सामने आया कि विश्व में शांति और समृद्धि तभी सम्भव है, जब समाज में लैंगिंग समानता हो। सोका गाव्काई का मानना है कि शांति संस्कृति के निर्माण और पोषण में महिलाओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। यह वेबिनार इस सोच पर आधारित था। एस.जी.आई. के अध्यक्ष दाईसाकु इकेदा, जिन्होंने वास्तविक न्यायसंगत समाज के निर्माण के लिए अथक प्रयास किया है, उनका कहना है कि 'इक्कीसवीं शताब्दी जीवन की शताब्दी होगी

यह महिलाओं की शताब्दी होगी।' ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, कोका कोला और कैडबरी जैसी कई कंपनियों में वरिष्ठ कार्यकारी पदों पर काम कर चुकी विनीता बाली ने कहा कि सभी एक निष्पक्ष और न्यायसंगत दुनिया में रह सकें, इसके लिए बातचीत द्वारा सहानुभूति, करुणा और समझ को बढ़ावा देने के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो



सकता। 'जन्मजात स्त्री बुद्धि और जान में ऐसा क्या है जिसकी दुनिया को इतनी जरूरत है?' मिरियन विलेला ने प्रश्न उठाते हुए कहा। संवेदनशीलता? सहानुभूति? देखभाल की भावना? सफीना हुसैन ने कहा, '70 साल की सेवा पूरी करना सोका गाव्काई के महिला प्रकोष्ठ के लिए

एक बड़ी उपलब्धि है।' लड़कियों की शिक्षा और लैंगिक समानता के हिमायती के रूप में अपनी भूमिका निभाते हुए मुझे खुशी हो रही है। वेबिनार के संदेश ने वक्ताओं और दर्शकों को समान रूप से प्रभावित किया, "शांति के लिए तड़प केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो युद्ध के बीच में हैं। यह हमारी साझा जिम्मेदारी है, चाहे हम कोई भी हों। कोविड के बाद की दुनिया में, दूसरे की पीड़ा स्वयं की पीड़ा से बड़ी गहराई से जुड़ी हुई है, तिलोत्तमा शोम ने कहा। उन्होंने कहा कि बहनत्व बहुत शक्तिशाली पारिस्थितिकी तंत्र है।

भारत सोका गाव्काई के अध्यक्ष श्री विशेष गुप्ता ने वक्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा एस.जी.आई. अध्यक्ष दाईसाकु इकेदा द्वारा समर्थित सोका दर्शन स्पष्टतः प्रतिबिंबित करते हैं। 21वीं सदी की 'महिलाओं' की सदी होने का उनका सपना आप जैसी महिलाओं के काम में जीवंत हो

### दुनिया भर में 12 मिलियन से अधिक सदस्य

बीजीआई के दुनिया भर में 92 देशों और क्षेत्रों में 12 मिलियन से अधिक सदस्य हैं। शांति स्थापना के लिए यह संस्था वैश्विक नागरिकता के लिए शिक्षा को अपना आदर्श मानती है। व्यापक अर्थों में यह शिक्षा लोगों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान और प्रत्यक्ष बातचीत को महत्व देती है। एसजीआई संगठन मतभेदों के वावजूद सहिष्णुता और सह-अस्तित्व जैसे सामान्य मूल्यों की खोज को आगे बढ़ा मानवता की भावना को मजबूत करते हैं।

उठता है।' सुश्री राशि आहूजा, निदेशक और बाहिये संबंध प्रमुख ने वेबिनार में वक्ताओं और दर्शकों का स्वागत करते हुए उन्हें एक साथ मिलकर एक ऐसे युग का निर्माण करने का आह्वान किया, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को उसकी मान्यता के लिए,

### संस्था शांति का वातावरण बनाना चाहती है

भारत सोका गाव्काई (बीएसजी), सोका गाव्काई इंटरनेशनल (बीजीआई) की भारतीय सहयोगी संस्था है। भारत में इसके 600 सदस्य शहरों में हैं। समाज के सभी वर्गों से आने वाले बीएसजी के सदस्यों का मानना है कि एक व्यक्ति के भीतर आया मूलभूत बदलाव समाज में एक महान परिवर्तन ला सकता है। यह संस्था सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामुदायिक संबंधित-गतिविधियों के माध्यम से शांति का वातावरण बनाना चाहती है। इन सभी गतिविधियों को सम्पन्न करने के लिए बीएसजी के सदस्य मानवता की भावना से ओत-प्रोत वार्तालाप का सहारा लेते हैं।

जीवन की अनूठी और अपूरणीय अभिव्यक्तियों के रूप में महत्व मिल सके।

## एक्शन इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

DLN (145) 2021-23

वर्ष 15 अंक 220 पृ. 10

RNI : DELHIIN 2006/19302

actionindianews@gmail.com

राष्ट्रीय संस्करण

दिल्ली - हरियाणा - बिहार प्रदेश - उत्तराखण्ड

## 'महिलाओं की शताब्दी यानि जीवन की शताब्दी का निर्माण करना'

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज "2030 की ओर अग्रसर एक नए युग का निर्माण करने वाली महिलाओं की प्रेरक कथाओं द्वारा इस वेबिनार में शांति के युग का आरम्भ करने में महिलाओं की भूमिका को सशक्त करने के लिए विशेष बल दिया गया। भारत में सोका गाव्काई इंटरनेशनल की सहयोगी संस्था भारत सोका गाव्काई द्वारा आयोजित इस वेबिनार ने उस मूल्य और ज्ञान की ओर ध्यान आकर्षित किया जो महिलाएं भविष्य के नेताओं के रूप में हमारे समाज को दे सकती हैं। इस वेबिनार में समाज के अधिकांश वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला वक्ताओं ने हिस्सा लिया। सर्व प्रथम विनीता बाली, स्वतंत्र निदेशक, रणनीति सलाहकार, और ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज की पूर्व सीईओ और एमडी, मिरियन विलेला, कार्यकारी निदेशक, अर्थ चार्टर इंटरनेशनल; सफीना हुसैन, संस्थापक और कार्यकारी निदेशक, एजुकेट गर्ल्स, और फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता फिल्म अभिनेत्री सुश्री तिलोत्तमा शोम। अपने अनुभवों द्वारा उन्होंने महिलाओं के वास्तविक सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उनके साक्ष्यों से एक मौलिक सत्य स्पष्टतः उभर कर सामने आया कि विश्व में शांति और समृद्धि तभी सम्भव है, जब समाज में

लैंगिंग समानता हो। सोका गाव्काई का मानना है कि शांति संस्कृति के निर्माण और पोषण में महिलाओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। यह वेबिनार इस सोच पर आधारित था। एस.जी.आई. के अध्यक्ष दाईसाकु इकेदा, जिन्होंने वास्तविक न्यायसंगत समाज के निर्माण के लिए अथक प्रयास किया है, उनका कहना है कि "इक्कीसवीं शताब्दी जीवन की शताब्दी होगी यह महिलाओं की शताब्दी होगी।" ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, कोका कोला और कैडबरी जैसी कई कंपनियों में वरिष्ठ कार्यकारी पदों पर काम कर चुकी विनीता बाली ने कहा, "सभी एक निष्पक्ष और न्यायसंगत दुनिया में रह सकें, इसके लिए बातचीत द्वारा सहानुभूति, करुणा और समझ को बढ़ावा देने के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो सकता।" जन्मजात स्त्री बुद्धि और ज्ञान में ऐसा क्या है जिसकी दुनिया को इतनी जरूरत है?" मिरियन विलेला ने प्रश्न उठाते हुए कहा। संवेदनशीलता? सहानुभूति? देखभाल की भावना? लचीलापन? हो सकता है कि हमारी दुनिया को इन मानवीय आवश्यक तत्वों को विकसित करने और उदासीनता के अदूरदर्शी दृष्टिकोण से दूर जाने की सख्त जरूरत है।

HT, Lucknow

**Women's role in creating new age discussed**  
LUCKNOW: Highlighting the significance of the role of women in ushering in an era of peace, a webinar entitled 'Beautiful Stories of Women Creating a New Age Towards 2030', was held on Tuesday. Organised by Bharat Soka Gakkai, the Indian affiliate of the Soka Gakkai International (SGI), the webinar drew attention to the value and wisdom that women can bring to our society as future leaders. The panellists, representing a broad spectrum of society, were: Vinita Bali, independent director, strategy advisor, and former CEO & MD of Britannia Industries; Mirian Vilela, executive director, Earth Charter International; Safeena Husain, founder and executive director, Educate Girls; and Tillotama Shome, Filmfare Award-winning actor.

NEW DELHI/24 August 2021: Highlighting the significance of the role of women in ushering in an era of peace, a webinar entitled “Beautiful Stories of Women Creating a New Age Towards 2030” was held today. Organized by Bharat Soka Gakkai, the Indian affiliate of the Soka Gakkai International (SGI), the webinar drew attention to the value and wisdom that women can bring to our society as future leaders.

The panelists, representing a broad spectrum of society, were: Ms. Vinita Bali, Independent Director, Strategy Advisor, and Former CEO & MD of Britannia Industries, Ms. Mirian Vilela, Executive Director, Earth Charter International; Ms. Safeena Husain, Founder, and Executive Director, Educate Girls, and Ms. Tillotama Shome, Filmfare Award-winning actor.

Each spoke about their journey, providing different dimensions to what constitutes the true empowerment of women. Their powerful testimonials brought home a fundamental truth – worldwide peace and prosperity can only be brought about in a gender-sensitive society. The vision behind the webinar is the core Soka Gakkai belief in women’s pivotal role in creating and nurturing a culture of peace. SGI President Daisaku Ikeda who has worked tirelessly to help build a truly equitable society says that “The twenty-first century will be the century of life. It will be the century of women.”

“There can be no better time for a dialogue to foster empathy, compassion, and understanding so that we may live in a world that is fair and equitable for all”, said Vinita Bali, who has served in senior executive positions in several companies such as Britannia Industries, Coca Cola and Cadbury.

“What is there in the innate feminine intelligence and wisdom that the world is in so much need of?” questioned Mirian Vilela. “Sensitivity? empathy? sense of care? flexibility? Maybe our world is in desperate need to cultivate these human essential elements and move away from the myopic view of indifference”, she said.

“Completing 70 years of service is a huge achievement for the Women’s Division of Soka Gakkai,” said Safeena Husain and added, “Over the decades, BSG has striven to create an environment of peace through cultural, educational and community-lead initiatives and I am glad to play my part as an advocate for girls’ education and gender equality.” Further, Safeena highlighted, “Girls’ education is the biggest investment that a nation can make today and with consistent support from like-minded supporters like BSG, we hope to gain more traction on the achievement of SDG4 by 2030.”

## Panelists share journeys of women ushering in era of peace

TIMES NEWS NETWORK

*Lucknow: Highlighting the significance of role of women in ushering in an era of peace, a webinar titled ‘Beautiful stories of women creating a*

*new age towards 2030’ was organised by Bharat Soka Gakkai, the Indian affiliate of the Soka Gakkai International, on Tuesday. Panelists included director, strategy advisor and former CEO MD of Bri-*

*tannia Industries Vinita Bali, executive director of Earth Charter International Mirian Vilela, founder and executive director of Educate Girls Safeena Husain and actor Tillotama Shome.*

*Panelists shared journeys, providing dimensions to what constitutes true empowerment. Chairperson Bharat Soka Gakkai Vishesh drew attention to the wisdom women can bring to society as leaders.*

**TOI,  
Lucknow**

## **Christy Varghese gets a fresh perspective on women empowerment after attending Bharat Soka Gakkai's webinar, Beautiful Stories Of Women Creating a New Age Towards 2030**

When women of great courage, optimism and wisdom join together, society will change profoundly. When women of a sensitive nature and compassion rise to the occasion, human society is bound to change on a fundamental level." The words — spoken by Daisaku Ikeda, president, Soka Gakkai International (SGI) at a webinar entitled Beautiful Stories of Women Creating a New Age Towards 2030 — highlighted the significance of the role of half the population of the planet in ushering in an era of peace. Organised by Bharat Soka Gakkai (BSG), the Indian affiliate of the SGI, the webinar drew attention to the value and wisdom that women can bring to our society as future leaders. And what better occasion to recall the insight lent by the panellists, since today is Women's Equality Day.

The illustrious panelists, representing a broad spectrum of society, were Vinita Bali, former CEO and MD of Britannia Industries, Mirian Vilela, the executive director of Earth Charter International, Safeena Husain, the founder and executive director of Educate Girls and Tillotama Shome, a Filmfare award-winning actor.

While all eyes were on the panellists, the webinar sought to celebrate the struggles and victories of ordinary yet courageous women who rewrote their destiny and that of others.

Bali, an iconic business leader with extensive experience in leading companies both in India and overseas, lent her voice to some extremely pertinent thoughts, "Women comprise almost half of the global population. Why do we distinguish on the basis of gender for job opportunities? Why do we need to fight for women's rights? I think fighting is the wrong term here. In these times is respecting each others' rights too much to ask for? There can be no better time for a dialogue to foster empathy, compassion, and understanding so that we may live in a world that is fair and equitable for all."

She brought a global and pragmatic approach to the panel, with respect to strategy, marketing, innovation in operations having worked across several continents. She was among 27 global leaders appointed by the UN to help improve maternal and child health, by scaling up nutrition initiatives.

Picking up from where Bali had concluded, Vilela expressed, "The innate feminine intelligence offers everything the world desperately needs today. Sensitivity, empathy, sense of care and flexibility are essential human elements that need to be cultivated to move away from the myopic view of indifference." Originally from Brazil, Vilela has been working with the Earth Charter Initiative since early 1996. Prior to her work with the Earth Charter, she worked for the United Nations Conference on Environment and Development (UNCED) for two years in preparation of the 1992 UN Earth Summit and a year at the United Nations Conference on Trade and Development (UNCTAD). While there is always room for change, Vilela rued how 'women have to still ask for empowerment. Why are we not able to make it a reality?' And that question surely left a mark on those who were listening.

Education is a game-changer, with respect to women empowerment, believes Husain whose NGO, Educate Girls (EG), is focussed on mobilising communities for girls' education. Under her leadership, since EG's inception in 2007, the NGO has enrolled over 7,50,000 girls in school and improved the learning outcomes for more than 1.3 million children in India. Previously, Husain had worked extensively with rural and urban underserved communities in South America, Africa and Asia. She was conferred with the 2017 NITI Aayog's Women Transforming India Award, the 2016 NDTV-L'Oréal Paris Women of Worth Award, and has received the British Asian Trust's Special Recognition Award from HRH Prince Charles for outstanding contribution in education.

"Over the decades, BSG has striven to create an environment of peace through cultural, educational and community-lead initiatives and I am glad to play my part as an advocate for girls' education and gender equality. I wouldn't wish my childhood on my enemy; that is how bad women had it back then. However, where I am today is due to the education that I could access. Girls' education is the biggest investment that a nation can make today and with consistent support from like-minded supporters like BSG, we hope to gain more traction on the achievement of the fourth Sustainable Development Goal, which would ensure inclusive and equitable quality education to promote lifelong learning opportunities for all, by 2030," noted Husain.

Rounding up the panel, Shome batted for exploring one's interests and being yourself, as loudly as possible, "As someone who was always on the move, because my father was an army man, I had to adapt to eight different schools throughout my growing years. All that moving around taught me that I don't need to be in the spotlight, I can be on the margins and still share my story with all my might." Shome is an actor who was nominated for Best Supporting Actress at the 63rd Filmfare Awards for her role in A Death In The Gunj. In 2021, she won the Filmfare Award for Best Actress (Critics), for portraying a commendable role in Sir, at the 66th Filmfare Awards.

# विश्व में शांति-समृद्धि तभी जब लैंगिक समानता हो

महिला सशक्तीकरण पर 'भारत सोका गाक्काई' द्वारा आयोजित वेबिनार में बनी राय

नई दिल्ली (एसएनबी)। 2030 की ओर अग्रसर एक नए युग का निर्माण करने वाली महिलाओं की प्रेरक कथाओं द्वारा इस वेबिनार में शांति के युग का आरम्भ करने में महिलाओं की भूमिका को सशक्त करने के लिए विशेष बल दिया गया। भारत में सोका गाक्काई इंटरनेशनल (एसजीआई) की सहयोगी संस्था 'भारत सोका गाक्काई' (बीएसजी) द्वारा आयोजित इस वेबिनार ने उस मूल्य और ज्ञान की ओर ध्यान आकर्षित किया, जो महिलाएं भविष्य के नेताओं के रूप में हमारे समाज को दे सकती हैं।

इस वेबिनार में समाज के अधिकतर वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला वक्ताओं ने हिस्सा लिया। सर्वप्रथम विनीता बाली, स्वतंत्र निदेशक, रणनीति सलाहकार और ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज की पूर्व सीईओ और एमडी, मिरियन विलेला, कार्यकारी निदेशक,

अर्थ चार्टर इंटरनेशनल, सफीना हुसैन, संस्थापक और कार्यकारी निदेशक, एजुकेट गल्स और फिल्मफेयर पुरस्कार विजेता फिल्म अभिनेत्री तिलोत्तमा सोम। अपने अनुभवों द्वारा उन्होंने महिलाओं के वास्तविक सशक्तीकरण के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। यह मौलिक सत्य स्पष्टतः उभर कर सामने आया कि विश्व में शांति और समृद्धि तभी सम्भव है, जब समाज में लैंगिक समानता हो। सोका गाक्काई का मानना है कि शांति संस्कृति के निर्माण और पोषण में महिलाओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। यह वेबिनार इस सोच पर आधारित था। एसजीआई के अध्यक्ष दाईसाकु इकेदा, जिन्होंने वास्तविक न्यायसंगत समाज के निर्माण के लिए प्रयास किया है, उनका कहना है कि 'इक्कीसवीं शताब्दी जीवन की शताब्दी होगी, यह महिलाओं की शताब्दी होगी।'

■ वेबिनार में सार्वजनिक जीवन में प्रतिष्ठित विनीता बाली, मिरियन विलेला, सफीना हुसैन एवं तिलोत्तमा सोम ने लिया हिस्सा

■ एसजीआई के अध्यक्ष दाईसाकु इकेदा का कहना है कि इक्कीसवीं शताब्दी जीवन की शताब्दी होगी, यह महिलाओं की शताब्दी होगी

कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में वरिष्ठ पदों पर काम कर चुकी विनीता बाली ने कहा, 'सभी एक निष्पक्ष और न्यायसंगत दुनिया में रह सकें, इसके लिए बातचीत द्वारा सहानुभूति,

करुणा और समझ को बढ़ावा देने के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो सकता।' 'जन्मजात स्त्री बुद्धि और ज्ञान में ऐसा क्या है, जिसकी दुनिया को इतनी जरूरत है?' मिरियन विलेला ने प्रश्न उठाते हुए कहा। 'संवेदनशीलता? सहानुभूति? देखभाल की भावना? लीलापन? हो सकता है कि हमारी दुनिया को इन मानवीय आवश्यक तत्वों को विकसित करने और उदासीनता के अदूरदर्शी दृष्टिकोण से दूर जाने की सख्त जरूरत है,' उन्होंने कहा।

सफीना हुसैन ने कहा, '70 साल की सेवा पूरी करना सोका गाक्काई के महिला प्रकोष्ठ के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।' दशकों से बीएसजी ने सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामुदायिक नेतृत्व वाली पहलों के माध्यम से शांति का वातावरण बनाने का प्रयास किया है। लड़कियों की शिक्षा और लैंगिक समानता के हिमायती के रूप में अपनी भूमिका

निभाते हुए मुझे खुशी हो रही है। लड़कियों की शिक्षा पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि लड़कियों की शिक्षा बड़ा निवेश है, जो आज एक राष्ट्र कर सकता है और बीएसजी जैसे समान विचारधारा वाले समर्थकों के लगातार समर्थन से हम 2030 तक एसडीजी-4 की उपलब्धि के लिए और अधिक कर्षण पैदा करने की आशा कर सकते हैं।

बीएसजी की ओर से भारत सोका गाक्काई के अध्यक्ष विशेष गुप्ता ने वक्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा, 'चुनौती और लगातार सीखने की भावना द्वारा अर्जित आपके जीवन के संघर्ष और उपलब्धियां एसजीआई अध्यक्ष दाईसाकु इकेदा द्वारा समर्थित सोका दर्शन स्पष्टतः प्रतिबिंबित करते हैं। 21वीं सदी को 'महिलाओं' की सदी होने का उनका सपना आप जैसी महिलाओं के काम में जीवंत हो उठता है।'

# "Creating A Century of Women; A Century of Life!"

**Bharat Soka Gakkai Webinar focusses on 'Beautiful Stories of Women Creating a New Age Towards 2030'**

**KT NEWS SERVICE**

NEW DELHI, Aug 24: Highlighting the significance of the role of women in ushering in an era of peace, a webinar entitled "Beautiful Stories of Women Creating a New Age Towards 2030" was held today. Organized by Bharat Soka Gakkai, the Indian affiliate of the Soka Gakkai International (SGI), the webinar drew attention to the value and wisdom that women can bring to our society as future leaders. Organized by the webinar.

The panelists, representing a broad spectrum of society, were: Ms. Vinita Bali, Independent Director, Strategy Advisor, and Former CEO&MD of Britannia Industries, Ms. Mirian Vilela, Executive Director, Earth Charter International; Ms. Safeena Husain, Founder, and Executive Director, Educate Girls, and Ms. Tilotama Shome, Filmfare Award-winning actor.

Each spoke about their journey, providing different dimensions to what constitutes the true empowerment of women. Their powerful testimonials brought home a fundamental truth - worldwide peace and prosperity can only be brought about in a gender-sensitive

society. The vision behind the webinar is the core Soka Gakkai belief in women's pivotal role in creating and nurturing a culture of peace. SGI President Daisaku Ikeda who has worked tirelessly to help build a truly equitable society says that "The twenty-first century will be the century of life. It will be the century of women."

"There can be no better time for a dialogue to foster empathy, compassion, and understanding so that we may live in a world that is fair and equitable for all", said Vinita Bali, who has served in senior executive positions in several companies such as Britannia Industries, Coca Cola and Cadbury.

"What is there in the innate feminine intelligence and wisdom that the world is in so much need?" questioned Mirian Vilela. "Sensitivity? empathy? sense of care? flexibility? Maybe our world is in desperate need to cultivate these human essential elements and move away from the myopic view of indifference", she said.

"Completing 70 years of service to the Women's Division of Soka Gakkai," said Safeena Husain and added, "Over the decades, BSG has striven to create an environment of peace through cultural, educa-

tional and community-lead initiatives and I am glad to play my part as an advocate for girls' education and gender equality." Further, Safeena highlighted, "Girls' education is the biggest investment that a nation can make today and with consistent support from like-minded supporters like BSG, we hope to gain more traction on the achievement of SDG4 by 2030."

The webinar's message struck a strong chord with speakers and audiences alike. "The yearning for peace is not just for those in the midst of a war. It is our shared responsibility, irrespective of who we are. In a post-Covid world, the suffering of another is deeply connected to one's own," said Tilotama Shome. She added that "sisterhoods are very powerful ecosystems".

On behalf of BSG, Mr. Vishesh Gupta, Chairperson, Bharat Soka Gakkai, thanked the panelists and said, "Your life's struggles and achievements based on the spirit of challenge and continuous learning echoes the Soka Philosophy espoused by SGI President Daisaku Ikeda.

His vision of 21st century being a 'Century of women' comes alive in the work of women like yourselves".

Ms. Raahi Ahoja



Director and Head of External Relations, welcomed the audience to the webinar and called out to everyone in the audience to come together and create an era in which all people are valued for their humanity, as unique and irreplaceable manifestations of life, an era in which all will enjoy the full richness of human diversity.

The webinar attracted an audience from across the country and from all walks of life.

BSG (Bharat Soka Gakkai) is the Indian affiliate of the Soka Gakkai International (SGI).

It has a membership spread across 600 towns and cities in India. Coming from all walks of life, BSG's members believe that a fundamental change in a single individual ('human revolution') can bring about a great transformation in society. The organization seeks to create an environ-

ment of peace through cultural, educational, and community-related activities. What sets these initiatives apart is the humanistic spirit of reaching out through 'heart to heart' dialogue.

For more information on BSG, please visit: <https://www.bharatsoka-gakkai.org>

SGI, (Soka Gakkai International) has over 12 million members in 192 countries and territories around the world. At the core of its peace movement, is the ideal of education for global citizenship. This is education in the broadest sense of the word as it embraces cultural exchange and direct interactions with people.

SGI organizations seek to advance the search for common values such as tolerance and coexistence despite differences and to strengthen our sense of common humanity.

**NEW DELHI:** Highlighting the significance of the role of women in ushering in an era of peace, a webinar entitled “Beautiful

Stories of Women Creating a New Age Towards 2030” was held today.

Organized by Bharat Soka Gakkai, the Indian affiliate of the Soka Gakkai International (SGI), the webinar drew attention to the value and wisdom that women can bring to our society as future leaders. organized the webinar.

The panelists, representing a broad spectrum of society, were: Vinita Bali, Independent Director, Strategy Advisor, and Former CEO & MD of Britannia Industries, Mirian Vilela, Executive Director, Earth Charter International; Safeena Husain, Founder, and Executive Director, Educate Girls, and Tillotama Shome, Filmfare Award-winning actor.

Each spoke about their journey, providing different dimensions to what constitutes the true empowerment of women. Their powerful testimonials brought home a fundamental truth – worldwide peace and prosperity can only be brought about in a gender-sensitive society.

The vision behind the webinar is the core Soka Gakkai belief in women’s pivotal role in creating and nurturing a culture of peace. SGI President Daisaku Ikeda who has worked tirelessly to help build a truly equitable society says that “The twenty-first century will be the century of life. It will be the century of women.”

“There can be no better time for a dialogue to foster empathy, compassion, and understanding so that we may live in a world that is fair and equitable for all”, said Vinita Bali, who has served in senior executive positions in several companies such as Britannia Industries, Coca Cola and Cadbury.

“What is there in the innate feminine intelligence and wisdom that the world is in so much need?” questioned Mirian Vilela. “Sensitivity? empathy? sense of care? flexibility? Maybe our world is in desperate need to cultivate these human essential elements and move away from the myopic view of indifference”, she said.

“Completing 70 years of service is a huge achievement for the Women's Division of Soka Gakkai,” said Safeena Husain and added, “Over the decades, BSG has striven to create an environment of peace through cultural, educational and community-lead initiatives and I am glad to play my part as an advocate for girls’ education and gender equality.”

Further, Safeena highlighted, “Girls’ education is the biggest investment that a nation can make today and with consistent support from like-minded supporters like BSG, we hope to gain more traction on the achievement of SDG4 by 2030.”

The webinar’s message struck a strong chord with speakers and audiences alike “The yearning for peace is not just for those in the midst of a war. It is our shared responsibility, irrespective of who we are. In a post-Covid world, the suffering of another is deeply connected to one's own,” said Tillotama Shome. She added that “sisterhoods are very powerful ecosystems”.

On behalf of BSG, Vishesh Gupta, Chairperson, Bharat Soka Gakkai, thanked the panelists and said, “Your life's struggles and achievements based on the spirit of challenge and continuous learning echoes the Soka Philosophy espoused by SGI President Daisaku Ikeda. His vision of 21st century being a 'Century of women' comes alive in the work of women like yourselves”.

Rashi Ahuja, Director and Head of External Relations, welcomed the audience to the webinar and called out to everyone in the audience to come together and create an era in which all people are valued for their humanity, as unique and irreplaceable manifestations of life, an era in which all will enjoy the full richness of human diversity. The webinar attracted an audience from across the country and from all walks of life.

## Amar Ujala

### महिलाओं के नाम होगी 21वीं शताब्दी : इकेदा

शिमला। भारत सोका गाव्काई की ओर से शांति के युग का आरंभ करने में महिलाओं की भूमिका पर वेबीनार का आयोजन किया गया। इसमें कई नामी महिला हस्तियों ने हिस्सा लिया। इन हस्तियों ने महिला सशक्तिकरण को लेकर विचार रखे। बताया कि कैसे महिलाएं इस सदी में बदलाव ला सकती हैं। एसजीआई के अध्यक्ष दाइसाकु इकेदा ने कहा कि 21वीं शताब्दी महिलाओं की शताब्दी होगी। अर्थ चार्टर इंटरनेशनल की कार्यकारी निदेशक मिरियम विलेला और सफीना हुसैन ने कहा कि 70 साल की सेवा पूरा करना सोका गाव्काई के महिला प्रकोष्ठ के लिए बड़ी उपलब्धि है। निदेशक राशि आहूजा ने वेबीनार में शामिल वक्ताओं का स्वागत किया। ब्यूरो





NEW DELHI: Highlighting the significance of the role of women in ushering in an era of peace, a webinar entitled “Beautiful Stories of Women Creating a New Age Towards 2030” was held today. Organized by Bharat Soka Gakkai, the Indian affiliate of the Soka Gakkai International (SGI), the webinar drew attention to the value and wisdom that women can bring to our society as future leaders. Organized the webinar.

The panelists, representing a broad spectrum of society, were: Ms. Vinita Bali, Independent Director, Strategy Advisor, and Former CEO&MD of Britannia Industries, Ms. Mirian Vilela, Executive Director, Earth Charter International; Ms. Safeena Husain, Founder, and Executive Director, Educate Girls, and Ms. Tillotama Shome, Filmfare Award-winning actor.

Each spoke about their journey, providing different dimensions to what constitutes the true empowerment of women. Their powerful testimonials brought home a fundamental truth – worldwide peace and prosperity can only be brought about in a gender-sensitive society. The vision behind the webinar is the core Soka Gakkai belief in women’s pivotal role in creating and nurturing a culture of peace. SGI President Daisaku Ikeda who has worked tirelessly to help build a truly equitable society says that “The twenty-first century will be the century of life. It will be the century of women.”

“There can be no better time for a dialogue to foster empathy, compassion, and understanding so that we may live in a world that is fair and equitable for all”, said Vinita Bali, who has served in senior executive positions in several companies such as Britannia Industries, Coca Cola and Cadbury.

“What is there in the innate feminine intelligence and wisdom that the world is in so much need?” questioned Mirian Vilela. “Sensitivity? empathy? sense of care? flexibility? Maybe our world is in desperate need to cultivate these human essential elements and move away from the myopic view of indifference”, she said.

“Completing 70 years of service is a huge achievement for the Women’s Division of Soka Gakkai,” said Safeena Husain and added, “Over the decades, BSG has striven to create an environment of peace through cultural, educational and community-lead initiatives and I am glad to play my part as an advocate for girls’ education and gender equality.” Further, Safeena highlighted, “Girls’ education is the biggest investment that a nation can make today and with consistent support from like-minded supporters like BSG, we hope to gain more traction on the achievement of SDG4 by 2030.”

The webinar’s message struck a strong chord with speakers and audiences alike “The yearning for peace is not just for those in the midst of a war. It is our shared responsibility, irrespective of who we are. In a post-Covid world, the suffering of another is deeply connected to one’s own,” said Tillotama Shome. She added that “sisterhoods are very powerful ecosystems”.

On behalf of BSG, Mr. Vishesh Gupta, Chairperson, Bharat Soka Gakkai, thanked the panelists and said, “Your life’s struggles and achievements based on the spirit of challenge and continuous learning echoes the Soka Philosophy espoused by SGI President Daisaku Ikeda. His vision of 21st century being a ‘Century of women’ comes alive in the work of women like yourselves”.

Ms. Rashi Ahuja, Director and Head of External Relations, welcomed the audience to the webinar and called out to everyone in the audience to come together and create an era in which all people are valued for their humanity, as unique and irreplaceable manifestations of life, an era in which all will enjoy the full richness of human diversity.

The webinar attracted an audience from across the country and from all walks of life.